

Shri Raghunatha Temple MSS. Library,
JAMMU

No. ४४३
घ

Title पिङ्गलम्

Author पिङ्गलः

Extent ८ पत्र Age

Subject छन्दः शास्त्र

पिंगलर
धधर

— दलारिप

443

पुस्तक

विषयः

५४

८. ४

संस्कृत

१६.१२.१२

नं ५४३३
पत्रक लान
२ पत्रक
२५५५५५
मार्ग पत्रक ल.

पिंग० ल०

१

॥ॐ नमः शिवाय॥ ॥ जो विविह मत्त सा अर॥ पारं पत्तो विविमल मद्दहेलं॥ पढमं भा
सतरं डो० गा ३^२ सो पिंगलो ज अर्द॥ १॥ दी हो संजु तपरो० बिंदु जु ३^२ पाडि ३^२ अचर
गांते॥ सगुरूवं कदु मत्तो० अस्मोल ऊ हो इ सुद्ध एक अलो॥ २॥ जहा॥ ॥ माई रूप
दे ३^२ हिस्मे जिस्मे अबुद्ध ३^२ दे ३^२॥ संभुं कामंती सा० गोरी गद्दी लत्त रां कुरा इ॥ ३॥ क
त्य वि संजु तपरो० वस्मोल ऊ हो इ दं सरो रा जहा॥ परिल्ह स इ चित्त धि जंत रूणि कड
कवमि गि बुत्तं॥ ४॥ इ हि आर बिंदु जु आ० ए ३^२ सुद्ध अवस मिलि आविल दू॥ रहवं
जरा संजो ए० परो असे संवि स विहा सं॥ ५॥ जहा॥ ॥ मा गि गि मा रा हिं का इ फल० ए ३^२

राम०

१

जे चराणा पडु कंत ॥ सहजे भु अंगम जरा मरु कि करि अ ए मणि मंत ॥ ६ ॥ रहवं जरा सं
 जो ए जहा ॥ ॥ चे उ सहजे तु रु चंचला सुंदरि ह दहि बलंत ॥ प अ उ रा घ ह्व सि खु ह्व
 रा की ड सि उ रा उ ल्ह संत ॥ ७ ॥ जइ दी हो वि अव स्मे ल रु जि हा प ठ इ हो र सो विल रु ॥
 व स्मे वि तु रि अ प ठि ३^९ दो ति स्मि वि ए क्क जा रो रु ॥ ८ ॥ जहा ॥ ॥ रे रे वा ह हि का रु रा
 अ छो टि उ ग म ग क ग ति रा दे हि ॥ त इ इ थि रा इ सं तार दे इ जो चा ह सि सो ले हि ॥ ९ ॥ जे
 म रा सह इ क रा अ तु ला तिल तु लि अं अ रु अ रु रा ॥ ते म रा सह इ से व रा तु ला अव
 छं दं छं द भं गे रा ॥ १० ॥ अव ह व ह रा म जे क वं जो प ठ इ ल क व रा वि रु रा ॥ भ अ रा

पि० ग० ल० लग्गखगाहिं सीसंखुडिअंराजारोई॥ ११॥ रठुडढाराअमजे० गराभेआहोंतिपंचअ
 कवर३०॥ छपंचतदाजहसंखं० छपंचचउत्तिदकलासु॥ १२॥ रगगोतेरहमे३०

मात्राप्र	२	२	३	४	२	४	२	६	२	२	२	३
मात्रा	५५	११५	१५१	५११	१११५	१५१	५११	१११५	५५१	११५	१५१	११११

मात्राप्र	२	२	३	४	२	४	२	६
मात्रा	१५५	५१५	११५	५५१	१५१	५११	१११	११११

मात्राप्र	२	२	३	४	२	४	२	६
मात्रा	१५५	५१५	११५	५५१	१५१	५११	१११	११११

मे३० अठ्ठाइहोंतिठगरास्स
 ॥ उगरास्सपंचमे३० तिअठ
 गरोवेविगागरास्स॥ १३॥ प
 ठमगुरुहेठुठारो० लङ्कआप
 रिठबङ्कअप्पबुद्धीए॥ सरिसा

राम०
 २

वर्णप्रस्ता.	२	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२
५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५	५५५५५

सरिसापंती उबरिआगुरुलङ्कदेङ्क ॥ १४ ॥ हरससिसरोसको. सेसोअहिकमलवं
भकिणिअंधो ॥ धुअधम्मोसालिअरो. तेरहमेउ० छमनाइ ॥ १५ ॥ इहासराअ
रुसरो. चाउ० हीरोअसेहरोकुसुमो ॥ अहिअरापावअराोधुअ. पंचकलेपिंगल
कहिउ० ॥ १६ ॥ गुरुजुअकस्मोगुरुअंतकरअलोपउ० हरंविगुरुमजे ॥ आइगु

पिंगल०

३

रुबसुचरणो विष्णो सवेहिलकुणहिं॥ १७॥ धञ्चिह्विचिह्विलञ्चतोमरतुंबुरपत्त
चुञ्चमाला॥ रसवासपवराबलञ्चलकुञ्चालंवेराजारोडु॥ १८॥ सुखइपटवताला
करतालागां दहं देरा निवागां ससमुहं तरं एहप्पमारोणा॥ १९॥ भावोरसतांडव
ञ्चं गारीञ्चकुलहभाविशिञ्चं॥ तिलकुगगास्सकइञ्चरो इञ्चरामं पिंगलो कइइ॥
२०॥ गोउरसरागभरागं चामरफणिमुद्धकगाञ्चकुंडलञ्चं॥ वक्कं मारासवलञ्चं
हारावलिगोरागुरुञ्चस्स॥ २१॥ शिञ्चपिञ्चपरमउसुप्पिञ्चविलकुत्तिसमास
कइदिठुं॥ अहचउमत्तहरागं फणिराउ पइगगां भराइ॥ २२॥ सुरञ्चलञ्चं

राम०

३

गुरुजुअलं कस्मसमागोरा रसिअमगालगं॥ मराहरासुमइलंविअलहलहिअं
 तासुवसेरा॥ २३॥ करपाणिकमलहस्यं वाहोमुअदंडपहराअसगिअं॥ गअम
 रारंरअगांराणामुअअभरांहेंति सुपसिद्धं॥ २४॥ मुअवइअस रागअवइव
 सुहादिवरजुगोआलो॥ उगाअकचक्कवइपअहरापावरागारेदाइ॥ २५॥ पअ
 पाअचराजुअलं अवरुपआसेइगंडवलहदं॥ ताअपिआमहदंरां गोररइजं ह
 घजुअलेरा॥ २६॥ पढमंएरिसिविप्पो बीएसरपंचजाइसिहरेहिं॥ दिअवरचरमो
 पाए होइचउक्केरालडुएरा॥ २७॥ सुगारेदंअहिअकुंजर गअवरदंताइदंतिअ

पिंगल०

४

हमेहो॥ एएवइताएवइगअणोअं पतलप्येण॥ २८॥ पक्खिविवाउमइंदहवी
गाअहिजकखअमिअजोहलअं॥ सुपसपसगआसगागरुडविआगोद्धमज
लद्धएण॥ २९॥ वद्धविविहपहरगोहिंपंचकल३^०गगोहोइ॥ गअरहतुरंगपाइक
एद्धणामेणजाणाचउमत्ता॥ ३०॥ तालंकहारगोउरकेउरओहोतिगुरुभेआसर
मेरुदंडकाहललद्धभेआहोतिएत्ताइ॥ ३१॥ संखंफुल्लकहालंरवंअसेसेहिहो
तिकलअलअंरुअंणाराकसुमंरसगंधंसदपरमारां॥ ३२॥ अथवर्णावत्तानां
गा॥ मोतिगुरुगोतिलद्धलद्धगुरुआइअंभोजमद्धगुरु॥ मरुलद्धरोसोउरा॥

य९

राम०

४

वर्णप्रसारः			अंतगुरुतोवि अंतलदु ए रा ॥ ३३ ॥ पुहवी जल सिहि वा ॐ ग अ रां सरो
५५५	म	१	अचंदमारा ॐ ॥ ग रा अठु इठु दे ॐ जह संखं पिंगले कहि ॐ ॥ ३४ ॥
१५५	य	२	मग रा रा ग रा दु कु मित्त हो भग रा य अ ग रा हो भि च ॥ उ आ सी रा जत दु
५१५	र	३	अ उ ग रा अ उ सिठुं उ अ रि गि च ॥ ३५ ॥ मग रा रि दि थिर क ज य ग रा सु
११५	स	४	ह संप अ रि ज्ज इ ॥ र ग रा म र रा संप ल इ ज ग रा ख र कि र रा वि स ज्ज इ ॥
५५१	त	५	त ग रा सु स फल कह इ स ग रा सह दे स उ वा स इ ॥ भ ग रा ठ व इ मंगल अ
१५१	ज	६	रो अ क इ पिंगल भा स इ ॥ जत क व गा ह दो ह इ मु रा दू रा ग रा हो इ पठ म
५११	म	७	
१११	न	८	

पिंगल०

५

5

कूवरहि॥ तसुक्कद्विबद्धिसवउफुरइरणगउलदुत्तरतरइ॥ ३६॥ अथगगाद्वयविचा
रः॥ ॥ मित्तमित्तदेक्कद्विबद्धिअरुमंगलदिज्जइ॥ मित्तभिच्चथिरकज्जुग्गुणिब्वअ
जअदिज्जइ॥ मित्तउआसे कज्जबंधगादिपणुपणुकिज्जइ॥ मित्तहोइजइसत्तुगोत्त
बंधउपीडिज्जइ॥ अरुभिच्चमित्तेसवकज्जहोभिच्चभिच्चेआइत्तिचलावइभिच्चउआसे
सवधरणसइभिच्चवयिरिहाकंदपल॥ ३७॥ उआसीगाजइमित्त कजबंधकिछुदे
खावइ॥ उआसीगाजइभिच्च सव आइत्तिचलावइ॥ उआसीगाउआसे मंदमल
किछुगादेकूवरइ॥ उआसीगाजइसत्तु गोत्तवइरिक्कइलकूवरइ॥ जइसत्तुमित्तहोसु

राम०

५

सफलसत्तुभिच्चहोघरिणिगास॥पुणसत्तुउआसेधणुगासइ॥सत्तुसत्तुगाइकरवस
 श॥३८॥अथमात्राउदिष्टं॥ ॥पुवजुअलसरिअंकादिज्जसु॥
 गुरुसिरअंकसेसमेदिज्जसु॥उअरलअंकलेकिवकइआगा
 हतेपरिधुअउदिठ्ठाजागाह॥३९॥अथमात्रानष्टं॥ ॥गाठेसवकलाकारिज्ज

१	३	५	८
५	१	१	५
२			१३

मात्राप्रस्ता	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
५५५	११५५	१५१५	५११५	११११५	१५११५	५११५१	११५१५	५५११५	११५१५	५१११५	११११५	५१११५	११११५

सुपुवजुअलस
 रिअंकादिज्जसु॥

१	२	३	५	८	१३
१	१	१	१	१	१

पुवजुअलस
 रिअंकादिज्जसु॥

पिंगल.

६

6

लुपिकदलेख॥४०॥ जस्यजस्यपाविजइभाग.एककहइफुरपिंगलराग॥पर
मत्तालेइ.गुरुता। जाइ जतपुछहततपुछहआइ॥४१॥ अथवर्णानामुद्दिष्टं॥ ॥

३	२	४	८
७	५	१	६

अकवरउपरअंकोदुस्मादिज्जकुसुसकुउदिठु॥ लकुउपरिजो
अंकोतंदेइएकैराजारोदु॥४२॥ अथवर्णानानष्टं॥ ॥ राठु

वर्णप्रसारः	२	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५
५५५५	१५५५	५१५५	११५५	५५१५	१५१५	५११५	१११५	५५५१	१५५१	५१५१	११५१	५५११	१५११	५१११	११११

अंकेभागकरिज्जसुसमभा
गहितहिलकुसुगिज्जसु॥
विसमएकदेइवंटराकिज्ज

राम
६

सु. पिंगल जंपडगुरु आशिज्जसु ॥ ४३ ॥ अथ वर्णमेरुः १ १ १ २ ॥ ॥
 वर्णमेरुः १ १ १ २ ॥ ॥
 अक्षरसंखे १ २ ४ ८ १६ कौठकरु आइरे १ २ ३ ४ अंत
 पठमंक ॥ सि ३ ६ १२ रदरअंके अउरु ३ ३ ३ ३ ३ ८
 भरु सुइ ५ ७ १४ मेरुगिसंक ॥ ४४ ॥ १ ४ ६ ४ १ १६
 अथव ५ १० १५ र्णपताका ॥ ॥ उदिठ्ठा सरिअंका
 दिज्जसुपुवअंके परभरु ११ राकरिज्जसु ॥ पावलअंक पठमपरदि
 ज्जसु पत्यरसंखे पताका १३ किज्जसु ॥ ४५ ॥ अथ मात्रामेरुः ॥ छ ॥ दुइ
 पताकेयं

पिंगल०
७

१	१	२
१	२	३
१	३	१
१	४	३
१	५	६
१	६	१०
१	७	१५
५	८	२१
मा	त्रा	सौ

दुइ कोठा सरिलिहरु पठम
इहि पुण ए क स उ प
सिर अं के त सु सिर
कोठ पुर हु रा सं
संचारि बुज
दुइ चारि ॥ ४० ॥
ताका ॥ ॥ उ

मात्रामेरुः

२	१	१	२
३	२	१	३
१	३	१	५
३	४	१	८
१	६	५	१
४	१०	६	१
१	१०	१५	७
५	२०	२१	८

अंक त सु अंत ॥ त सु आ
ठ मे वे मिलं त ॥ ४६ ॥
पर अं के उ आ ल
के ॥ म त्रामेरु अंक
उ बु ज्ज उ ज रा
॥ अथ मात्राप
दिहा सरि अं का

राम०
७

मात्राप्रस्ताव	सप्तकल्पता	केयम	
१५५५	१	१	१३२३
५१५५	२	२	१३
१११५५	३	३	१६
५५१५	४	४	१८
११५१५	५	५	२०
५११५	६	६	२०
५१११५	७	७	२३
११११५	८	८	२३
५५५१	९	९	२३
११५५१	१०	१०	२४
१५१५१	११	११	२४
५११५१	१२	१२	२४
११११५१	१३	१३	२४
५१५११	१४	१४	२४
११५११	१५	१५	२४
५५१११	१६	१६	२४
११५१११	१७	१७	२४
५५११११	१८	१८	२४
१५११११	१९	१९	२४
५१११११	२०	२०	२४
११११११	२१	२१	२४

अथपुनः वामवत्तेपरलङ्घ्यपुनः॥ एकलोपे एकगु
रुजागादुःइतिगालोपेदुःइतिगिजागा
दुः॥ मत्तपताकापिंगलगावदुःजोपावदि
सोपरदिमिलावदुः॥ ४८॥ अथवृत्तस्यलघुगुरुज्ञानं॥

मूल
क
अ

पिंगल०

४
एछलअंकमिटाव॥ अवसिद्धेगुरुजाणिअदुःखलदुःखाणिबउताव॥४२॥ अ
थसकलप्रस्तारसंख्या॥ छवीसा २० सत्तसआ ७०० तदसत्तारहसहस्साइं
१७०००॥ वाआलिसंलकव ४२००००० तेरहकोडी १३००००००० समगाइं
॥५०॥ होइगाहूमत्तचउरुअराः तहागाहाइसत्तावस्मा॥ तद्विगाहपलट्टि
किज्जइ॥ उगाहुरुसट्टिकलगाहिणिअवासट्टिदिज्जइ तद्विपलट्टइसीहि
णी॥ वेअगाहोसट्टि॥ सत्तरुअअस्मेरागरा॥ खंधमत्तचउसट्टि॥ ५१॥ पुव
देउत्तदे॥ सत्तगालमत्तवीसाइं॥ छदुमगरापअमज्जेगाहूमेरुवज्जुअलाइ॥ ५२॥

राम०